मूल्य 1 रु.
वर्षः 12 - अंक : 261, मुंबई, गुरुवार, 1 दिसंबर, 2022 ■ RNI.NO. MAHHIN/2010/34146 ■ संपादकः दिलशाद एस. खान

दैनिक
मुंबई हलचल
भारत सरकार द्वारा विज्ञापन हेतु मान्यता प्राप्त ®
अब हर सच होगा उजागर

महाराष्ट्र सरकार का बड़ा फैसला

सरपंच-पंचायत सदस्यों का अब 7वीं पास होना अनिवार्य

मुंबई हलचल / संवाददाता

मुंबई। महाराष्ट्र सरकार ने एक बड़ा फैसला लिया हैं। राज्य सरकार ने सभी जिलाधिकारियों को लेटर भेजकर यह सुनिश्चित करने को कहा है कि सरपंच और ग्राम पंचायत सदस्य पदों के लिए जनवरी 1995 के बाद पैदा होने वाले सभी कैंडिडेट कम से कम 7वीं क्लास पास हों। ग्रामीण विकास डिपार्टमेंट की तरफ से 25 नवंबर को ये सूचना जारी की गई है। राज्य सचिवालय के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि सभी इलेक्शन कोरोना की वजह से स्थगित कर दिए गए थे, इसलिए ज्यादातर ग्राम पंचायतों और पंचायत समितियों के इलेक्शन होने वाले हैं। **(शेष पृष्ठ 3 पर)**

देश में पत्रकारों के साथ अत्याचार किसी भी हालत में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा: दिलशाद एस. खान

'पत्रकार सुरक्षा कानून शीघ्र लागू करें केन्द्र सरकार'

मुंबई हलचल / संवाददाता

मुंबई। देश में में आए दिन पत्रकारों के साथ होने वाले अभद्र व्यवहार व अत्याचारों को लेकर अखिल भारतीय पत्रकार सुरक्षा समिति ने गहरी चिंता जताई हैं और सभी पदाधिकारियों ने केन्द्र सरकार से तत्काल प्रभाव से पत्रकार सुरक्षा कानून लागू करने की मांग की हैं। अखिल भारतीय पत्रकार सुरक्षा समिति के वरिष्ठ राष्ट्रीय उपाध्यक्ष दिलशाद एस. खान ने राजस्थान संपादक भैरु सिंह राठौड़ को बताया कि समिति ने जो पत्रकारों के हितार्थ ज्ञापन दिए उन पर तत्काल राज्य सरकार अमल करें। उन्होंने कहा कि पत्रकारों के साथ बेवजह अन्याय करने वालों को किसी भी हालत में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। **(शेष पृष्ठ 3 पर)**

मुंबई के साईं भक्तों का नासिक में एक्सीडेंट, 2 की मौत, 7 गंभीर रूप से घायल

मुंबई हलचल / संवाददाता / नासिक। महाराष्ट्र के नासिक जिले के सिन्नर इलाके में शिरडी हाईवे पर सड़क हादसे बढ़ते ही जा रहे हैं। इस सड़क पर बुधवार को फिर से एक भयानक हादसा हो गया। **(शेष पृष्ठ 3 पर)**

दैनिक मुंबई हलचल जरूरी सूचना

सभी को सुचित किया जाता है कि अगर दै. मुंबई हलचल के नाम पर कोई व्यक्ति संवाददाता बता कर आपसे कोई भी गलत व्यवहार करता है तो आप तुरंत अपने स्थनीय पुलिस स्टेशन में जाकर उस व्यक्ति के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराये, अगर आप उस व्यक्ति से कोई लेन-देन करते हैं तो उसका जिम्मेदार आप खुद होंगे.

धन्यवाद...संपादक

आप दै. मुंबई हलचल के कार्यालय में नीचे दिये गये नंबर पर संपर्क कर सकते हैं
9820961360

महाराष्ट्र के पूर्व मंत्री नवाब मलिक को तगड़ा झटका

मनी लॉन्ड्रिंग मामले में नहीं मिली जमानत

मुंबई हलचल/संवाददाता

मुंबई। मुंबई की एक विशेष अदालत ने बुधवार को मनी लॉन्ड्रिंग मामले में जेल में बंद महाराष्ट्र के पूर्व मंत्री नवाब मलिक की जमानत याचिका को खारिज कर दिया है। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) के वरिष्ठ नेता मलिक को इसी साल फरवरी में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने कुर्ला में 'गोआवाला' कंपाउंड नामक एक संपत्ति से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में गिरफ्तार किया था। प्रवर्तन निदेशालय ने विशेष पीएमएलए कोर्ट में मालिक की जमानत याचिका का विरोध किया था। **(शेष पृष्ठ 3 पर)**

बीएमसी का बड़ा फैसला

नालों से बनाएगी सोलर एनर्जी, बदबू से भी मिलेगा छुटकारा

मुंबई। मुंबई के सैकड़ों नालों के ऊपर बीएमसी सोलर पैनल लगाकर बिजली पैदा करने की योजना तैयार कर रही है। इस काम को बीएमसी सीएसआर फंड से करेगी। इसके साथ ही इन नालों को स्लैब से ढकने की भी योजना है। इससे अब लोग नालों में कचरा नहीं डाल पाएंगे और बारिश के दिनों में महानगरवासियों को बाढ़ जैसी स्थिति से छूटकारा मिल जाएगा। **(शेष पृष्ठ 3 पर)**

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

हमारी बात

जजों की नियुक्ती में सरकार तुरंत फैसला ले!

भारत की कार्यपालिका और न्यायपालिका में आजकल भिड़ंत के समाचार गर्म हैं। भारत के सर्वोच्च न्यायालय का कहना है कि जजों की नियुक्तियों में सरकार का टांग अड़ाना बिल्कुल भी उचित नहीं है जबकि मोदी सरकार के कानून मंत्री किरन रिजिजू का कहना है कि सर्वोच्च न्यायालय की न्यायाधीश-परिषद (कालेजियम) अगर यह समझती है कि सरकार जजों की नियुक्ति में टांग अड़ा रही है तो वह उनकी नियुक्ति के प्रस्ताव उसके पास भेजती ही क्यों है? कानून मंत्री के इस बयान ने हमारे जजों को काफी नाराज कर दिया है। वे कहते हैं कि जजों की नियुक्ति में सरकार को आनाकानी करने की बजाय कानून का पालन करना चाहिए। कानून यह है कि न्यायाधीश परिषद जिस जज का भी नाम न्याय मंत्रालय को भेजे, उसे वह तुरंत नियुक्त करे या उसे कोई आपत्ति हो तो वह परिषद को बताए लेकिन लगभग 20 नामों के प्रस्ताव कई महिनों से अधर में लटके हुए हैं। न सरकार उनके नाम पर 'हाँ' कहती है और न ही 'ना' कहती है। अजब पर्दा है कि वह चिलमन से लगी बैठी है। जबकि सर्वोच्च न्यायालय ने उस 99 वें संविधान संशोधन को 2015 में रद्द कर दिया था, जिसमें राष्ट्रीय न्यायिक नियुक्ति आयोग को अधिकार दिया गया था कि वह जजों को नियुक्त करे। इस आयोग में सरकार की पूरी दखलंदाजी रह सकती थी। अब पिछले साल सर्वोच्च न्यायालय ने 3-4 माह की समय-सीमा तय कर दी थी, उन नामों पर सरकारी मोहर लगाने की, जो भी नाम न्यायाधीश परिषद प्रस्तावित करती है। इस वक्त सरकार ने 20 जजों की नियुक्ति-प्रस्ताव वापस कर दिए हैं, उसमें एक जज घोषित समलैंगिक हैं और वह भी ऐसे कि जिनका भागीदार एक विदेशी नागरिक है। इसके अलावा सरकार और सामान्य लोगों को भी यह शिकायत रहती है कि ये जज परिषद अपने रिश्तेदारों और उनके मनपसंद वकीलों को भी जज बनवा देती है। न्यायपालिका में राजनीति की ही तरह भाई-भतीजावाद और भ्रष्टाचार किसी न किसी तरह पनपता रहता है। जजों की नियुक्ति में सत्तारुढ़ नेताओं की भी दखलंदाजी भी देखी जाती है। वे अपने मनपसंद वकीलों को जज बनवाने पर तुले रहते हैं और जो जज उनके पक्ष में फैसले दे देते हैं, उन्हें पुरस्कार स्वरूप पदोन्नतियां भी मिल जाती हैं। ऐसे जजों को सेवा-निवृत्ति के बाद भी राज्यपाल, उप-राष्ट्रपति, किसी आयोग का अध्यक्ष या राज्यसभा का सदस्य आदि कई पद थमा दिए जाते हैं। सरकारी हस्तक्षेप के ये दुष्प्रभाव तो सबको पता हैं लेकिन यदि न्यायाधीशों की नियुक्ति भी सीधे सरकार करने लगेगी तो लोकतांत्रिक शक्ति-विभाजन के सिद्धांत की घोर अवहेलना होने लगेगी। यदि सरकार को न्यायाधीशों की नियुक्ति का अधिकार दे दिया जाए तो क्या न्यायाधीशों को भी यह अधिकार दिया जाएगा कि वे राष्ट्रपतियों, प्रधानमंत्रियों, मुख्यमंत्रियों और मंत्रियों की नियुक्ति में भी हाथ बंटाएं? अमेरिका जैसे कुछ देशों में वरिष्ठ जजों की नियुक्ति राष्ट्रपति ही करता है। वे जीवनपर्यंत जज बने रह सकते हैं। भारत की न्यायिक नियुक्तियां अधिक तर्कसंगत और व्यावहारिक हैं। वे संसदीय लोकतांत्रिक व्यवस्था के अनुकूल भी हैं। सरकार को जजों की नियुक्ति पर या तो तुरंत मोहर लगानी चाहिए या न्यायाधीश परिषद के साथ बैठकर स्पष्ट संवाद करना चाहिए।

अस्मिता और गुजरात गौरव का चुनाव

चुनाव के इन दो मुद्दों के साथ साथ भाजपा को यह भी एडवांटेज है कि कांग्रेस और आम आदमी पार्टी सत्ता विरोधी वोट का बंटवारा कर रहे हैं। ध्यान रहे गुजरात में भाजपा को हमेशा 50 फीसदी के करीब वोट मिलते रहे हैं। उसके और कांग्रेस के वोट में सात-आठ फीसदी या इससे ज्यादा का भी अंतर रहा है। इसलिए अगर एंटी इन्कंबैंसी या जातियों के ध्रुवीकरण की वजह से भाजपा के वोट कुछ कम होते हैं तब भी उसको परवाह नहीं होगी क्योंकि उससे टूटने वाले वोट भी कांग्रेस और आम आदमी पार्टी के बीच बटेंगे। आम आदमी पार्टी हिंदुत्व के ब्रांड की राजनीति और मुफ्त की रेवड़ियों के सहारे भाजपा के कुछ वोट काट रही है लेकिन वह ज्यादा वोट कांग्रेस का काट रही है। इस वजह से दोनों में से कोई भी पार्टी इस स्थिति में नहीं दिख रही है, जो भाजपा को गंभीर चुनौती दे सके।

गुजरात का विधानसभा चुनाव इस बार परंपरागत गुजराती चुनाव की तरह नहीं दिख रहा है। हिंदू और मुस्लिम वोट के ध्रुवीकरण के प्रयास हो रहे हैं पर गुजराती अस्मिता और गुजरात गौरव का मुद्दा ज्यादा बड़ा बन गया है। इस लिहाज से गुजरात के इस बार के चुनाव की तुलना पिछले साल हुए पश्चिम बंगाल के विधानसभा चुनाव से कर सकते हैं। पूरा चुनाव ममता बनर्जी और उनकी पार्टी ने बांग्ला अस्मिता के नाम पर लड़ा था। जाने माने चुनाव रणनीतिकार प्रशांत किशोर ने भाजपा की ओर से हो रहे ध्रुवीकरण के प्रयासों का जवाब देने के लिए बांग्ला अस्मिता का मुद्दा उठाया और भाजपा को बाहरी पार्टी बता कर चुनाव की दिशा बदली। अन्यथा भाजपा ने बंगाल में तृणमूल कांग्रेस के लिए मुश्किल स्थिति पैदा कर दी थी। ममता बनर्जी के सामने 10 साल की एंटी इन्कंबैंसी भी थी।

गुजरात में तो भाजपा के सामने 27 साल की एंटी इन्कंबैंसी है और ऊपर से आम आदमी पार्टी की हिंदुत्व ब्रांड राजनीति और मुफ्त की रेवड़ी बांटने की घोषणाओं ने गुजराती मानस को अलग तरह से उद्वेलित किया। तभी भाजपा जो पहले आम आदमी पार्टी को अपने लिए एडवांटेज मान रही थी वह उसके खिलाफ आक्रामक हुई। अगर आज गुजरात के प्रचार अभियान को बारीकी से देखें तो साफ नजर आ रहा है कि भाजपा की ओर से आम आदमी पार्टी और अरविंद केजरीवाल को बाहरी बताने का काम किया जा रहा है। जिस तरह से बंगाल में ममता के रणनीतिकारों ने भाजपा को और नरेंद्र मोदी व अमित शाह की जोड़ी को बाहरी बता कर प्रचार किया उसी तरह से गुजरात में भाजपा के रणनीतिकार केजरीवाल और उनकी पार्टी को बाहरी बता कर प्रचार कर रहे हैं। याद करें कैसे बंगाल के चुनाव में भाजपा को सफाई देनी पड़ती थी। वैसी ही सफाई गुजरात में आम आदमी पार्टी दे रही है।

भाजपा की राज्य सरकार की 27 साल की एंटी इन्कंबैंसी और आठ साल की डबल इंजन सरकार की कमियां बता कर कांग्रेस पार्टी उसका मुकाबला कर सकती थी। आप से उलट कांग्रेस के पास संगठन भी है और नेता भी हैं। उसे बाहरी भी नहीं बताया जा सकता है। लेकिन कांग्रेस ने चुनाव की तैयारी कायदे से नहीं की और न प्रचार किया। चुनाव से पहले पार्टी के बड़े नेताओं खास कर राहुल गांधी का सिर्फ एक कार्यक्रम हुआ। उन्होंने भारत जोड़ो यात्रा भी शुरू की तो वह यात्रा भी गुजरात से दूर रही। तभी भाजपा और नरेंद्र मोदी को यह कहने का मौका मिला कि कांग्रेस ने गुजरात का कभी भी ख्याल नहीं रखा। वे हर सभा में कह रहे हैं कि कांग्रेस पार्टी उन लोगों के साथ है, जिन्होंने गुजरात और गुजरातियों को देश और दुनिया में बदनाम किया। राहुल गांधी की यात्रा में नर्मदा बचाओ आंदोलन का चेहरा रहीं मेधा पाटकर के शामिल होने से भाजपा को और मौका मिल गया। सो, कह सकते हैं कि आम आदमी पार्टी और कांग्रेस दोनों की राजनीति की और चुनाव अभियान को अलग अलग कारणों से कठघरे में खड़ा करने के बाद भाजपा ने अस्मिता और गुजरात गौरव का मुद्दा बनाया है। ऐसा नहीं है कि बहुत शोर शराबे के साथ ऐसा किया गया है या इसके लिए कोई बहुत बड़ा इवेंट किया जा रहा है। बहुत सहज और सरल तरीके से यह काम किया गया है। भाजपा ने अपने विशाल संगठन, कार्यकताओं की फौज, प्रचार तंत्र और संसाधनों के दम पर ज्यादा से ज्यादा गुजरातियों तक पहुंच बनाई और उनके बीच पहले से स्थापित इस धारणा को उभारा कि नरेंद्र मोदी गुजराती गौरव का प्रतीक हैं। लोगों को यह भी समझाया गया कि भाजपा हारती है तो गुजराती गौरव को ठेस लगेगी और नरेंद्र मोदी का प्रधानमंत्री बने रहना मुश्किल हो जाएगा। यह बात लोगों में अपील कर रही है। इसका इस्तेमाल जाति के आधार पर होने वाले ध्रुवीकरण को काटने के लिए भी किया जा रहा है। इसके अलावा भाजपा के प्रचार की कमान खुद नरेंद्र मोदी और अमित शाह ने संभाली है। ये दो चेहरे हैं, जो अखिल भारतीय और अखिल विश्व के स्तर पर गुजराती अस्मिता का प्रतिनिधित्व करते हैं। गुजरात की पहचान इन दो चेहरों से हो गई है। इनके मुकाबले कांग्रेस और आम आदमी पार्टी दोनों के पास कोई बड़ा चेहरा नहीं है। कांग्रेस ने तो बल्कि सारे पुराने और बड़े चेहरों को घर बैठा दिया है। आम आदमी पार्टी ने भी पहले गोपाल इटालिया का चेहरा आगे किया था लेकिन ऐन चुनाव से पहले जब उसे लगा कि पाटीदार मतदाता भाजपा का साथ नहीं छोड़ रहे हैं तो ओबीसी वोट की चिंता में इसुदान गढ़वी का नाम मुख्यमंत्री पद के लिए पेश कर दिया। इस तरह चुनावी मुकाबले में शामिल तीनों पार्टियों में सिर्फ भाजपा है, जिसके पास गुजराती गौरव और गुजराती अस्मिता का प्रतिनिधित्व करने वाले चेहरे हैं।

चुनाव के इन दो मुद्दों के साथ साथ भाजपा को यह भी एडवांटेज है कि कांग्रेस और आम आदमी पार्टी सत्ता विरोधी वोट का बंटवारा कर रहे हैं। ध्यान रहे गुजरात में भाजपा को हमेशा 50 फीसदी के करीब वोट मिलते रहे हैं। उसके और कांग्रेस के वोट में सात-आठ फीसदी या इससे ज्यादा का भी अंतर रहा है। इसलिए अगर एंटी इन्कंबैंसी या जातियों के ध्रुवीकरण की वजह से भाजपा के वोट कुछ कम होते हैं तब भी उसको परवाह नहीं होगी क्योंकि उससे टूटने वाले वोट भी कांग्रेस और आम आदमी पार्टी के बीच बटेंगे। आम आदमी पार्टी हिंदुत्व के ब्रांड की राजनीति और मुफ्त की रेवड़ियों के सहारे भाजपा के कुछ वोट काट रही है लेकिन वह ज्यादा वोट कांग्रेस का काट रही है। इस वजह से दोनों में से कोई भी पार्टी इस स्थिति में नहीं दिख रही है, जो भाजपा को गंभीर चुनौती दे सके।

मालिक,मुद्रक,प्रकाशक-**दिलशाद एस खान** द्वारा एस आर प्रिंटिंग प्रेस,मोहन अर्जुन कंपाउंड, वैशाली नगर दहिसर (पूर्व),मुंबई-68 से मुद्रित व मुंबई हलचल,साईं मंगल को ऑ हॉ सो बी-2-301,इस्माइल बाग नियर मालाड शॉपिंग सेंटर, एस वी रोड,मालाड (प) मुंबई से प्रकाशित RNI NO MAHHIN/2010/34146, फोन:**9619102478 /9821238815**
email: mumbaihalchal@gmail com संपादक: **दिलशाद एस खान,** समाचार पत्र में छपे किसी भी समाचार से संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है। किसी भी विवाद का निपटारा न्याय क्षेत्र मुंबई होगा।

टोरेंट के जबरन वसूली का पर्दाफाश

जनता में भारी आक्रोश

मुंब्रा कलवा दिवा शील की जनता पर एमएसईडीसीएल द्वारा थोपा गया पी डी करीब 350 करोड़ का बोगस बकाया, बिल वसूलने से पहले सभी पीड़ी के बिलों की जांच करने की जनता की मांग, आखिर एमएसईडीसीएल के गलती की सजा जनता क्यों भुगते, टोरेंट पावर लिमिटेड कंपनी द्वारा जबरन क्यों वसूला जा रहा है बोगस पीडी का बकाया बिल

मुंबई हलचल / संवाददाता

दिवा। एमएसईडीसीएल द्वारा मुंब्रा कलवा दिवा शील में पहले बिजली बिल वसूल किया जाता था लेकिन अतिरिक्त बोगस बिल बकाया के कारण बिल वसूल करने के जिम्मादारी टोरेंट पावर लिमिटेड कंपनी को बतौर फ्रेंचाइसी के दी गई मार्च 2020 में टोरेंट पावर लिमिटेड कंपनी का प्रवेश मुंब्रा कलवा दिवा शील मैं हुआ राजनीतिक पार्टी द्वारा अपने फायदे के लिए करोड़ों रुपए का नजराना लेकर टोरेंट पावर कंपनी को प्रवेश दिलाया गया फिलहाल टोरेंट मुंब्रा कलवा दिवा शील में राजनेताओं की मेहरबानी के कारण आ गई आने के साथ ही टोरेंट पावर ने अपना सौतेला व्यवहार दिखाना शुरू कर दिया और ग्राहकों से जबरन बिल वसूल करना दादागिरी करना पी डी का बकाया बिल वसूल करना नहीं बिल जमा करने पर ग्राहकों पर फर्जी एफआईआर कराना ऐसे ही एक फर्जी एफआईआर करने का मामला प्रकाश में आया है यह मामला सामने आने के बाद यह साबित हो जाएगा टोरेंट पावर कंपनी द्वारा किस तरह पी डी का बोगस बिल वसूला जा रहा है इसका उदाहरण यह है शिव समर्थ अपार्टमेंट ग्राउंड फ्लोर रूम नंबर 7 देविका निवास दातीवली दिवा के नमिता नरेश सुर्वे इनका कंजूमर नंबर 000464 982965 इनका मीटर को पीडी वर्ष 2017 में किया गया था जिसकी लिखित शिकायत एमएसईडीसीएल मैं दी गई थी और एमएसईडीसीएल द्वारा इनका मीटर ले जाया गया था फिर उसके बाद वह अपना घर छोड़कर

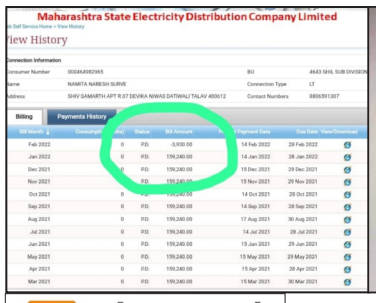

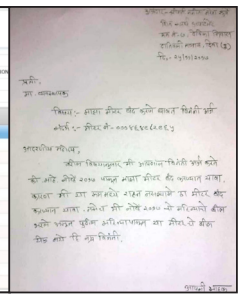

दूसरी जगह चले गए जब वह अपने घर किराए पर देने के लिए आए तो पता चला कि उनका बिजली बिल 1,59,240/-रुपए हो गया है उनके इस बढ़ते बिल के कारण कोई भी उनका घर किराए पर नहीं ले रहा था जिसकी वजह से उनका मकान काफी महीनों तक बंद रहा फिर उनके द्वारा लिखित शिकायत पत्र टोरेंट कंपनी में 18/12/2021 को दिया गया उसके बाद भी टोरेंट कंपनी का कहना है कि आपका जो बिल है वह आपको भरना पड़ेगा उन्होंने लाख समझाया और अपने द्वारा शिकायत पत्र वर्ष 2017 का जो एमएसईडीसीएल को दिया गया था जिस पर एमएसईडीसीएल की मोहर लगी हुई है और उस पर ऑफिसर के हस्ताक्षर भी मौजूद है फिर भी टोरेंट कंपनी का यही कहना था कि आपको यह बिल भरना पड़ेगा उसके बाद जब वह अपने मकान में रहने के लिए आ गए उनको टोरेंट कंपनी की तरफ से दूसरा मीटर नहीं दिया गया इन लोगों ने पड़ोस के मीटर से लाइन ले ली उस पर भी टोरेंट कंपनी द्वारा इन लोगों पर बिजली चोरी का मामला दर्ज कराया गया फिर उसके बाद उनकी मुलाकात इकबाल भारती से हुई जो एक सोशल मीडिया पर तिरंगा टाइम्स नाम का चैनल भी चलाते हैं उन्होंने पूरा संज्ञान लिया गया और ग्राहक के माध्यम से टोरेंट में सारे सबूत के साथ शिकायत पत्र दिया लेकिन करीब दो महीने तक कोई सुनवाई नहीं हुई। फिर उसके बाद नोडल ऑफिसर से शिकायत की। वहां भी चक्कर पर चक्कर लगाए गए। आखिरकार जब इकबाल भारती ने उन्हें कोर्ट में जाने की बात कही तब जाकर इस मामले को गंभीरता से लिया गया।फिर उसके बिल का सीपीएल निकाला गया जानकारी हासिल की गई तब यह बात सामने आई जो कंजूमर नंबर का मीटर एमएसईडीसीएल द्वारा निकाला गया था उसकी एंट्री कंप्यूटर में नहीं की गई थी जो कि एक बहुत बड़ी गलती की गई जिसका परिणाम स्वरुप यह रहा कि ग्राहकों पर 1,59,240/-रुपए थोप दिया गया फिलहाल सारी चीजें स्पष्ट होने के बाद यह कंजूमर का बिल -3930/-रुपए हुआ है जोकि एमएसईडीसीएल पर यह रकम बतौर कर्ज है जो एमएसईडीसीएल को चुकानी पड़ेगी।यह स्पष्ट करने का मकसद यह है की सीपीएल तो टोरेंट भी निकाल सकती थी, गलत बिल वह भी दुरुस्त कर सकती थी,उन्हें मालूम था कि बिल गलत है फिर भी उसे बार बार पैसा भरने के लिए दबाव बनाया गया। इसका साफ मतलब है की टोरेंट जबरन गलत तरीके बिल वसूलती है जो कानून के बाहर है। जब बिल गलत है यह जानकारी होने के बाद भी टोरेंट कंपनी द्वारा ग्राहक पर एफआईआर दाखिल हुवा, यहां यह बात भी स्पष्ट होती है की टोरेंट झूठे मामले दर्ज करा रही है।हैरत की बात यह है की अभिताक वह एफ आई आर वापस नहीं लिया। भारतीय विद्युत बिजली अधिनियम के तहत अगर कोई ग्राहक 1 महीने का बिजली बिल नहीं भर पाता है तो उस के बाद 15 दिन की नोटिस दी जाती है उस पर भी नहीं भरने पर उस मीटर को पीडी किया जाता है फिर उसके बाद अगर ग्राहक बिजली चोरी करता है उस ग्राहक पर बिजली चोरी का मामला दर्ज किया जाता है इस मामले में कंजूमर द्वारा पड़ोसी की सहमती से मीटर से लाइन ली गई उस पर भी बिजली चोरी का मामला टोरेंट पावर कंपनी द्वारा दर्ज किया गया इस घटनाक्रम से समझा जा सकता है किस तरह का अत्याचार और मानसिक यातनाएं टोरेंट पावर कंपनी द्वारा की जा रही है बोगस पी डी का बिल जबरन वसूला जा रहा है अनुमान लगाया जा रहा है 80 फीसदी पीडी का बोगस बिल है जो एमएसईडीसीएल के कर्मचारी और अधिकारी की गलतियों का परिणाम है सवाल यह उठता है एमएसईडीसीएल द्वारा की गई गलती का खामियाजा मुंब्रा कलवा दिवा शील की जनता क्यों भुगते।

महाराष्ट्र पुलिस में 18,331 पदों पर भर्ती, आवेदन 11 लाख से ज्यादा, 1 पोस्ट के 600 उम्मीदवार

मुंबई। महाराष्ट्र सरकार ने पुलिस में विभिन्न पदों के लिए 18,331 पदों पर भर्ती के लिए वैकेंसी निकाली है। बेरोजगारी का आलम यह है कि इन पदों के लिए अब तक 11 लाख से ज्यादा लोग अपना दावा ठोक चुके हैं। मतलब इतने लोग अब तक आवेदन कर चुके हैं। राज्य के युवा लंबे समय से सरकारी नौकरी के लिए इंतजार कर रहे थे। विभाग ने अपने अपने बयान में बताया कि इतनी बड़ी संख्या में अभ्यर्थियों के फॉर्म भरने की वजह से कई बार सरकारी वेबसाइट की स्पीड बहुत कम हो गई। लेकिन उन्हें ठीक कर दिया गया। उन्होंने कहा कि नौकरी के इच्छुक कई उम्मीदवारों ने अपने फॉर्म भरने के लिए देर रात तक वेबसाइट पर रजिस्टर कराने की कोशिश की। उन्होंने आगे कहा कि 9 नवंबर से ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित किए गए थे और बुधवार को नौकरियों के लिए आवेदन करने का आखिरी दिन है। सोमवार दोपहर तक 10.74 लाख आवेदन किये गये। लेकिन अब संख्या 11 लाख पार कर चुकी है। आवेदकर्ताओं की संख्या और बढ़ सकती है। महाराष्ट्र पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि महाराष्ट्र पुलिस ने कांस्टेबल, ड्राइवर के अलावा रिजर्व पुलिस बल के लिए 18,331 पदों पर वैकेंसी निकाली है। अब तक आवेदकों की संख्या लगभग 11 लाख पहुंच चुकी है। आवेदनों की संख्या और बढ़ सकती है। भर्ती नियमों के अनुसार विभाग शुरू में 100 अंकों की लिखित परीक्षा आयोजित करेगा। 40 प्रतिशत नंबर मिलने पर शारीरिक परीक्षण से गुजरना होगा। विभाग ने बताया कि इस साल हमने अंकों के अनुपात में बदलाव किया है।

(पृष्ठ 1 का समाचार)

देश में पत्रकारों के साथ अत्याचार किसी भी हालत में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा: दिलशाद एस. खान

उन्होंने कहा कि देश में पत्रकारों के साथ अत्याचार करने वाले सरकारी डिपार्टमेंट के हो या गैर सरकारी ऐसे व्यक्तियों को मुंह तोड़ जवाब दिया जाएगा। उन्होंने पत्रकारों के साथ बेवजह अन्याय करने वालों को चेतावनी देते हुए कहा कि अखिल भारतीय पत्रकार सुरक्षा समिति के पदाधिकारी पत्रकारों के हितार्थ सड़कों पर उतर कर दो दो हाथ करने से भी नहीं चुकेंगे। उन्होंने कहा कि सरकार अखिल भारतीय पत्रकार सुरक्षा समिति को सरकार कतई कमजोर समझने की भूल नहीं करें। उन्होंने कहा कि हमनें जो पत्रकारों के हितार्थ जो जायज मुद्दे उठाए वो सरकार को मानना पड़ेगा और हम पत्रकारों का हक लेकर रहेंगे। राष्ट्रीय अध्यक्ष जिग्नेश भाई कलावाड़िया ने कहा कि राजनीतिक दबाव में देश में पुलिस प्रशासन द्वारा पत्रकारों के खिलाफ झूठे मुकदमे दर्ज किए जा रहे हैं जो गहन चिंता का विषय हैं। उन्होंने कहा कि पुलिस अधिकारियों द्वारा बिना जांच पड़ताल किए पत्रकारों पर मुकदमें दर्ज करके प्रताड़ित किया जा रहा हैं।ऐसे मामलों में पत्रकारों के हितार्थ उन पुलिस अधिकारियों को अदालत में चुनौती दी जाकर पत्रकारों को इंसाफ दिलाया जाएगा। उन्होंने देश के पत्रकारों को देश के सबसे बड़े संगठन अखिल भारतीय पत्रकार सुरक्षा समिति से जुड़ने का आह्वान किया हैं। उन्होंने कहा कि देश में कहीं से भी पत्रकार अखिल भारतीय पत्रकार सुरक्षा समिति से जुड़ने के लिए संगठन के वरिष्ठ राष्ट्रीय उपाध्यक्ष दिलशाद एस. खान के मोबाइल नंबर 09619102478, 09821238815 पर तथा राजस्थान संपादक भैरु सिंह राठौड़ के मोबाइल नंबर 09799988158 पर संपर्क किया जा सकता हैं। गौरतलब है कि देश में अखिल भारतीय पत्रकार सुरक्षा समिति पत्रकारों के हितार्थ समर्पित एवं कृतसंकल्पित हैं। हम आपको बता दें कि यह संगठन पत्रकारों से संबंधित हितार्थ मुद्दों को समय-समय पर प्रभावी रुप से उठाते रहता हैं। अखिल भारतीय पत्रकार सुरक्षा समिति के सभी पदाधिकारियों जिनमें डॉ. सोहेल खंडवानी (संरक्षक), राकेश प्रताप सिंह परिहार (राष्ट्रीय उपाध्यक्ष), अब्दुल महफूज खान (राष्ट्रीय महासचिव), रत्नाकर त्रिपाठी (राष्ट्रीय महासचिव) आदि पदाधिकारियों ने पत्रकारों पर होने वाले अभद्र व्यवहार और अत्याचारों को लेकर रोष व्यक्त करते हुए गंभीर चिंता जताई है।

महाराष्ट्र सरकार का बड़ा फैसला

इसकी वजह से कई जिला कलेक्टर कार्यालयों ने ग्राम पंचायत अधिनियम की धारा 13 पर स्पष्टीकरण मांगा था। खबरों के मुताबिक महाराष्ट्र के औरंगाबाद के जिला कलेक्टर आस्तिक कुमार पांडे ने बताया कि राज्य सरकार की चिट्ठी में साफ किया गया है कि कम से कम 7वीं क्लास पास होने की धारा उन सभी के लिए लागू होगी, जिनका जन्म 1 जनवरी 1995 के बाद हुआ है। वहीं, दूसरे जिला कलेक्टर ने बताया कि यह नियम महाराष्ट्र में होने वाले सभी ग्राम पंचायत और सरपंच इलेक्शन के दौरान मददगार साबित होगा। बता दें कि कलेक्टरों को भेजे गए राज्य सरकार के चिट्ठी में 'सरपंच' शब्द की जगह पर 'सदस्य' शब्द डाला गया है।

महाराष्ट्र के पूर्व मंत्री नवाब मलिक को तगड़ा झटका

'गोआवाला' कंपाउंड मामला कथित तौर पर भगोड़े गैंगस्टर दाऊद इब्राहिम और उसके साथियों से संबंधित है। विशेष न्यायाधीश आरएन रोकड़े ने दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद एनसीपी नेता की जमानत याचिका पर 14 नवंबर को अपना फैसला सुरक्षित रख लिया था। इस मामले में कोर्ट पहले 24 नवंबर को फैसला सुनाने वाली थी, लेकिन उस दिन आदेश तैयार नहीं होने की वजह से मामले को 30 नवंबर तक के लिए स्थगित कर दिया गया था।

बीएमसी का बड़ा फैसला

मुंबई में 309 बड़े नाले हैं, इनकी लंबाई लगभग 290 किलोमीटर है। इसके साथ ही 508 छोटे नाले हैं, जिनकी लंबाई 605 किलोमीटर है। बीएमसी के इस फैसले से एक तरफ जहां बिजली पैदा की जा सकेगी तो वहीं दूसरी ओर बदबू की समस्या से भी छूटकारा मिल जाएगा। इस प्रोजेक्ट को करीब 6 साल पहले प्रस्तावित किया गया था, जिसे अब जाकर ग्रीन सिग्नल मिला है। इन प्रमुख नालों में एसएनडीटी नाला, गजधर नाला, कोल डोंगरी, मोगरा नाला, मीठीबाई नाला, जेवीपीडी नाला, वसोर्वा मोगरा, शास्त्री नगर, भगत सिंह नगर नाला शामिल हैं।

मुंबई के साईं भक्तों का नासिक में एक्सीडेंट

बताया जा रहा है कि मुंबई में रहने वाले कुछ साईं भक्त शिरडी गए थे, जहां से वह साईबाबा के दर्शन करने के बाद त्र्यंबकेश्वर जा रहा था। लेकिन इस बीच उनकी गाड़ी भीषण हादसे का शिकार हो गई।

नॉर्वे में बॉलीवुड फिल्मों की शूटिंग को बढ़ावा देने के लिए शताक्षी फिल्म की महत्वपूर्ण पहल

मुंबई। भारत और नॉर्वे के रिश्ते सदैव बेहतर रहे हैं। इस रिश्ते को और मजबूती देने, दोनों देशों के बीच टूरिज्म और कारोबार को बढ़ावा देने के उद्देश्य से शताक्षी फिल्म द्वारा दो खास म्युजिक वीडियो निर्मित किए जा रहे हैं जिनकी शूटिंग जल्द ही भव्य रूप से नॉर्वे में होने जा रही है। इस सिलसिले में आज दिल्ली मे एक प्रेस कांफ्रेंस का आयोजन किया गया, जहां चीफ गेस्ट के रूप में नॉर्वे एम्बैसी की मिस मार्टिन मौजूद रहीं। सुमन गुहा के डायरेक्शन में बनने जा रहे वीडियो में बोलीवुड स्टार रजनीश दुग्गल, दिलबर आर्या, विपिन भारद्वाज, राजवीर सिंह और करिश्मा शर्मा नजर आएंगी। जिन दो गीतों की शूटिंग नॉर्वे में होने वाली है उनमें से एक गाने का नाम 'तेरी नाराजी' है जबकि दूसरा गीत दारू दा डूम है। यह पंजाबी हिंदी मिक्स सॉन्ग है। इस प्रेस कांफ्रेंस

में नॉर्वे एम्बैसी की मिस मार्टिन चीफ गेस्ट के रूप में मौजूद रहीं। उन का कहना है कि नॉर्वे और भारत के रिश्ते हमेशा अच्छे रहे हैं। इस रिश्ते को और मजबूती प्रदान करने के लिए नॉर्वे सरकार वहां शूटिंग के लिए सभी निर्माताओं निर्देशकों को इनवाइट कर रही है। नॉर्वे और बॉलीवुड के बीच रिश्तों को मजबूत करने की दिशा में यह एक महत्वपूर्ण पहल है। वहां की लोकेशन्स बहुत खूबसूरत है और टूरिज्म को भी बढ़ावा मिलेगा। आम तौर पर गाने की शूटिंग को लेकर लोग लंदन, स्विट्जरलैंड, पैरिस, दुबई जैसी जगहों की बात करते हैं, मगर नॉर्वे भी शूटिंग के लिए एक बेहतरीन लोकेशन है।

केंद्र सरकार ने किया नोटिस जारी

कक्षा 1 से 8 तक के स्टूडेंट्स की प्री-मैट्रिक स्कॉलरशिप बंद

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने पिछड़े (ओबीसी) और अल्पसंख्यक समुदायों के बच्चो के लिए प्री-मैट्रिक स्कॉलरशिप योजना में बड़ा बदलाव किया है। सरकार ने इस योजना में कक्षा 9 और 10 के छात्रों को शामिल करते हुए कक्षा 1 से 8 तक के बच्चों को बाहर कर दिया है। इससे पहले प्री-मैट्रिक स्कॉलरशिप योजना एसएसी/एसएसी, ओबीसी और अल्पसंख्यक समुदाय के कक्षा 1 से 8 तक के बच्चों की शिक्षा को कवर करती थी। आपको बता दें कि अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, अन्य पिछड़ा वर्ग और अल्पसंख्यक समुदायों से संबंधित ग्रेड 1 से 8 के लिए प्री-मैट्रिक छात्रवृत्ति को रोकने के लिए केंद्र सरकार की एक अधिसूचना ने शिक्षाविदों को नाराज कर दिया है। शिक्षा का

अधिकार (आरटीई) अधिनियम सरकार के लिए प्रत्येक बच्चे को मुफ्त और अनिवार्य प्रारंभिक शिक्षा (कक्षा 1 से 8 तक) प्रदान करना अनिवार्य बनाता है। तदनुसार, कक्षा 9 और 10 में पढ़ने वाले छात्रों को ही पूर्व के तहत कवर किया जाता है। सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय और आदिवासी मामलों के मंत्रालय की मैट्रिक छात्रवृत्ति योजना, केंद्र सरकार ने एक नोटिस में कहा। इस फैसले पर राजनीतिक दलों की तीखी प्रतिक्रियाएं सामने आई हैं। कांग्रेस सांसद रणदीप सिंह सुरजेवाला ने कहा, दशकों से एससी/एसटी पृष्ठभूमि के बच्चों को कक्षा 1 से 8 तक छात्रवृत्ति मिल रही है, लेकिन सरकार ने 2022-23 से छात्रवृत्ति बंद कर दी है, जो गरीबों के खिलाफ एक 'साजिश' है।

काव्य श्री सम्मान 2022 से सम्मानित हुए साहित्यकार गुरुदीन वर्मा

मुंबई हलचल / भैरु सिंह राठौड़

राजस्थान। सिरोही जिले के पिण्डवाड़ा ब्लॉक के नांदिया ग्राम में नियुक्त शिक्षक एवं प्रसिद्ध साहित्यकार गुरुदीन वर्मा काव्य श्री सम्मान 2022 से सम्मानित किए गए है।साहित्यकार वर्मा ने मीडिया को बताया कि उनको यह पुरस्कार दिव्य दर्शन भारती संस्था द्वारा उनके साहित्यिक क्षेत्र में विशेष कार्यों एवं उनके द्वारा स्वरचित 2850 रचनाओं को देखकर दिया गया। ज्ञात हो कि वर्मा को इस पुरस्कार से पहले पहले भी कई नामी पुरस्कारों द्वारा साहित्यिक क्षेत्र में उनके कार्यों के आधार पर सम्मानित किया जा चुका है। वर्मा को यह पुरस्कार मिलने पर विभिन्न साहित्यकारों एवं साथी शिक्षकों ने बधाई और शुभकामनाएं दी है। वर्मा बारां जिले के मूलनिवासी है। उक्त जानकारी मीडिया प्रभारी गुरुदीन वर्मा ने राजस्थान संपादक भैरु सिंह राठौड़ को दी हैं।

भामाशाह ने बच्चों को स्कूल बैग वितरण किये

हितेश सोनी (रामाजी गुडा)

नाडोल आंगनवाडी केन्द्र नं.4 पर अभिभावक की बैठक जमनी बाई वार्डपंच धनी बाई के सानिध्य रखी गई जिसमें सभी माता पिता को बुलाकर बच्चों की शिक्षा के बारे में जानकारी दी गई व आंगनवाडी में पोषाहार के बारे में बताया गया। भामाशाह आदर्श फ्रेण्ड्स सर्कल ग्रुप नाडोल ने नन्हे बच्चों को बैग वितरण दिये गये भामाशाह अचलाराम खरताराम घांची, मोनीबाई, गंगा देवी घांची, शेषाराम, मांगीलाल की तरफ से दिये गये कार्यकर्ता ममता चैहान, सेंटर अध्यापिका निभा, अमरती देवी, पुर्व वार्इ पंच नाजुदेवी, जसाराम सेणचा व ग्राम कि महिलाओं ने भाग लिया।

वरिष्ठ समाजसेवी उदय प्रताप सिंह को प्रेस वेलफेयर फाउंडेशन ट्रस्ट ने स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया

मुंबई हलचल / भैरु सिंह राठौड़

राजस्थान। वरिष्ठ समाजसेवी एवं भाजपा नेता तथा सिध्दी विनायक मंदिर के भूतपूर्व ट्रस्टी उदय प्रताप सिंह को प्रेस वेलफेयर फाउंडेशन ट्रस्ट द्वारा सम्मानित चिन्ह देकर सम्मान किया गया। प्रेस वेलफेयर फाउंडेशन ट्रस्ट के राष्ट्रीय अध्यक्ष महेन्द्र कुमार पांडेय ने राजस्थान संपादक भैरु सिंह राठौड़ को बताया कि उदय प्रताप सिंह ने पूर्ण रूप से सहयोग प्रदान करने का आश्वासन दिया। गौरतलब हैं कि प्रेस वेलफेयर

फाउंडेशन ट्रस्ट हर प्रतिष्ठावान व्यक्तियों व समाजसेवियों तक पहुँचने का प्रयास कर रहा है। प्रेस वेलफेयर फाउंडेशन ट्रस्ट देश की ऐसी पंजीकृत संस्था है कि जो सत्यावित को लेकर देश में पत्रकारों के विकासप्रद के लिए कार्य कर रही है। प्रेस वेलफेयर फाउंडेशन ट्रस्ट के राष्ट्रीय अध्यक्ष महेन्द्र कुमार पाण्डेय व राष्ट्रीय उपाध्यक्ष प्रकाश पवार ने उदय प्रताप सिंह का पूर्ण दर्षोल्लास के साथ सम्मान किया। बहुत ही जल्द प्रेस वेलफेयर फाउंडेशन ट्रस्ट के द्वारा दैनिक अखबार का भी शुभारम्भ किया जा रहा हैं ताकि प्रेस वेलफेयर फाउंडेशन ट्रस्ट के पदाधिकारियों कों अपनी आवाज उठाने में कोई समस्या ना हो। गौरतलब हैं कि प्रेस वेलफेयर फाउंडेशन ट्रस्ट पत्रकारों के हितार्थ समर्पित एवं कृतसंकल्पित हैं।

पंजाबी सिंगर दलेर मेहंदी की बढ़ी मुश्किलें, नया विवाद आया सामने

नई दिल्ली। पंजाबी सिंगर दलेर मेहंदी एक बार फिर सुर्खियों में हैं। इस बार उनका कोई नया गाना रिलीज नहीं हुआ बल्कि उन पर अवैध तरीके के फार्महाउस बनाने का आरोप लगा है। हरियाणा के गुरुग्राम में दलेर मेहंदी के फार्म हाउस पर कार्रवाई की गई है। गुरुग्राम जिला प्रशासन के अधिकारियों ने सोहना में दमदमा झील के पास बने 3 फार्म हाउस को सील कर दिया है। इसमें एक फार्म हाउस गायक दलेर मेहंदी का भी है। जिला नगर नियोजक अधिकारी अमित मधोलिया का कहना है कि, ये झील के जलग्रहण क्षेत्र में बने अनधिकृत फार्महाउस थे। फिलहाल

इन तीनों फार्महाउस को सील कर दिया गया है। कहा जा रहा है कि बिना किसी परमिशन के इन्हें अरावली रेंज में बनाया गया था। एनजीटी के आदेश का पालन करते हुए पुलिस ने इन फार्महाउस को सील कर दिया है। सिंगर दलेर मेहंदी का ये फार्म हाउस करीब डेढ़ एकड़ में फैला हुआ है। आपको याद होगा कि सिंगर दलेर मेहंदी कई बार विवादों में फंस चुके हैं। साल 2003 में दलेर मेहंदी के खिलाफ कबूतरबाजी का आरोप लगा था, जिसमें कहा गया था कि दलेर मेहंदी अपने भाई शमशेर के साथ मिलकर अवैध इमिग्रेशन ग्रुप चलाते थे। वे लोग 1998 से 1999 के बीच 10 लोगों को विदेश ले गए और उन्हें वहीं छोड़कर आ गए। इस मामले में पटियाला ट्रायल कोर्ट ने दलेर मेहंदी को दोषी करार दिया था। दलेर मेहंदी को 16 मार्च, 2018 को 2 साल की सजा भी सुनाई गई थी।

एयर इंडिया-विस्तारा के विलय को मिली मंजूरी

सिंगापुर एयरलाइन्स ने मंगलवार को कहा कि उसकी साझेदारी वाली विमानन कंपनी विस्तार का टाटा समूह की एयर इंडिया में विलय होगा। विस्तार में टाटा समूह की 51 प्रतिशत हिस्सेदारी है। बाकी 49 प्रतिशत हिस्सेदारी सिंगापुर एयरलाइंस (एसआईए) के पास है। इस विलय सौदे के तहत एसआईए एयर इंडिया में 2,058.5 करोड़ रुपये का निवेश भी करेगी। एयर इंडिया और विस्तारा एयरलाइंस के विलय की जानकारी देते हुए सिंगापुर एयरलाइंस ने जारी बयान में कहा कि उसके बोर्ड ने विलय को मंजूरी दे दी है। साथ ही डील के हिसाब से टाटा संस के साथ विस्तारा के ज्वाइंट वेंचर को एयर इंडिया में विलय करने के बाद एयर इंडिया के नए स्वरूप में सिंगापुर एयरलाइंस की 25.1 फीसदी हिस्सेदारी होगी। फिलहाल सिंगापुर एयरलाइंस की टाटा सिंगापुर एयरलाइंस में 49 फीसदी हिस्सेदारी है। सिंगापुर एयरलाइंस विलय के रेग्युलेटरी अप्रूवल मिलने के बाद एयर इंडिया में 250 मिलियन डॉलर यानि 2000 करोड़ रुपये निवेश करेगा।

जोधपुर में ब्लड डोनर्स एवं लॉयन क्लब के तत्वावधान में रक्तदान शिविर आयोजित किया गया

मुंबई हलचल / भैरु सिंह राठौड़

राजस्थान। जोधपुर में स्वर्गीय रमेश चंद्र अग्रवाल के 78 वे जन्मदिवस (प्रेरणा दिवस) के अवसर पर दैनिक भास्कर समूह, जोधपुर ब्लड डोनर्स एवं लायंस क्लब के तत्वाधान में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। इस रक्तदान शिविर में नारी शक्ति सेवा संस्थान की संचालक मंजू भाटी ने 11 वीं बार रक्तदान कर रक्तदान महादान का संदेश दिया। इस रक्तदान शिविर में नरेंद्र सिंह राठौड़, दीपक सिंह भाटी नवनीत बोहरा, दीपक व्यास, आशा जोधा,मदन गुप्ता उपस्थित रहे। गौरतलब है कि जोधपुर के वरिष्ठ समाजसेवी नरेन्द्र सिंह राठौड़ समाजसेवी नरेन्द्र सिंह राठौड़ समाज के काम में बढ़ चढ़ कर भाग लेते हैं। राठौड़ कितनी ही बार रक्तदान कर चुके हैं। रावणा राजपूत समाज की नेता आशा कंवर जोधा भी रावणा राजपूत समाज के काम में बढ़ चढ़ कर भाग लेती हैं तथा सामाजिक कार्यों में हमेशा आगे रहती हैं। उक्त जानकारी आशा कंवर जोधा ने राजस्थान संपादक भैरु सिंह राठौड़ को दी हैं।

जजों की नियुक्ति को लेकर आमने-सामने केंद्र और सुप्रीम कोर्ट, सरकार ने कॉलेजियम को लौटाए 19 नाम

नई दिल्ली। जज नियुक्ति मामले को लेकर केंद्र सरकार और सुप्रीम कोर्ट आमने-सामने है। सरकार ने हाई कोर्ट के जजों की नियुक्ति के लिए सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम द्वारा 21 नामों की सिफारिश में से 19 नामों को वापस लौटा दिया है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, 28 नवंबर को न्यायिक नियुक्तियों पर सुप्रीम कोर्ट की सुनवाई से घंटों पहले सिफारिशें वापस कर दी गईं। इनमें 10 नाम ऐसे नाम भी शामिल हैं जिन्हें कॉलेजियम ने दोहराया था और 9 नाम पहली सिफारिश के बाद पेंडिंग थे। केंद्रीय कानून मंत्री किरेन रिजिजू ने मंगलवार को एक ट्वीट में कहा कि दो सिफारिशों को स्वीकार कर लिया गया है। ये सिफारिशें वकील संतोष गोविंद चपलगांवकर और मिलिंद मनोहर सथाये को बॉम्बे हाई कोर्ट के न्यायाधीश के रूप में नियुक्त करने के लिए हैं। कॉलेजियम ने 12 सितंबर 2022 को इनके नामों की सिफारिश की थी। वहीं कांग्रेस के वरिष्ठ नेता वीरप्पा मोइली ने न्यायाधीशों की नियुक्ति के मुद्दे पर कानून मंत्री किरेन रीजीजू के एक हालिया बयान को लेकर मंगलवार को उन पर निशाना साधा और कहा कि उनका बयान कानून के प्रतिकूल था तथा बतौर मंत्री सुप्रीम कोर्ट को 'चुनौती देना' उन्हें

शोभा नहीं देता। पूर्व कानून मंत्री मोइली ने यह भी कहा कि सुप्रीम कोर्ट और हाई कोर्ट के न्यायाधीशों की नियुक्ति की कोलेजियम प्रणाली समय की कसौटी पर खरी उतरने वाली व्यवस्था है तथा इस बारे में रीजीजू की टिप्पणी के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सामने उन्हें बर्खास्त करने के अलावा कोई विकल्प नहीं है। उन्होंने एक बयान में कहा, कानून मंत्री ने न्यायाधीशों की नियुक्ति के संदर्भ में जो अजीबोगरीब टिप्पणी की है वह देश के कानून के पूरी तरह प्रतिकूल है। कानून मंत्री के लिए यह शोभा नहीं देता कि वह सुप्रीम कोर्ट को इस तरह से चुनौती दें। मोइली ने सवाल किया कि अगर इस तरह बयान दिए जाएंगे तो फिर लोकतंत्र कैसे बचेगा? उल्लेखनीय है कि कानून मंत्री किरेन रीजीजू ने सुप्रीम कोर्ट और हाई कोर्ट के न्यायाधीशों की नियुक्ति की व्यवस्था पर शुक्रवार को प्रहार करते हुए कहा था कि कॉलेजियम प्रणाली सँविधान के प्रति 'सर्वथा अपिरचित' शब्दावली है। उन्होंने यह भी था कि सुप्रीम कवरत ने अपने विवेक से एक अदालती फैसले के जरिये कॉलेजियम का गठन किया। उन्होंने इस बात का भी जिक्र किया था कि 1991 से पहले सभी न्यायाधीशों की नियुक्ति सरकार द्वारा की जाती थी।

दैनिक मुंबई हलचल

जरूरी सूचना

पाठकों, शुभचिंतकों व विज्ञापनदाताओं को सुचित किया जाता है कि अगर किसी को कोई समस्या हो तो वह नीचे दिये गये दै. मुंबई हलचल कार्यालय नंबर पर संपर्क करें. साथ ही आप अपने क्षेत्र के समस्याओं की समाचार व वीडियों हमें भेज सकते हैं.

धन्यवाद... संपादक

9821238815

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

ससुराल में प्रताड़ना से कानपुर में दो साल के बेटे की हत्या कर फांसी पर झूल गई नवविाहिता

– तीन साल पहले हुई थी हुई थी सीमा की शादी – परिजनों ने ससुराली जनों पर लगाया प्रताड़ना और हत्या का आरोप

मुंबई हलचल/सुनील बाजपेई

कानपुर। यहां एक युवती ने अपने मासूम बेटे की हत्या करने के बाद फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली यह घटना रावतपुर थानाक्षेत्र के मसवानपुर में हुई। पूरे इलाके में सनसनी फैली हुई है वहीं घटना की सूचना मिलने पर फारेस्ट इन फॉरेंसिक टीम ने भी मौके पर पहुंच कर साक्ष्य जुटाए हैं। पुलिस ने बताया कि लाश को पोस्टमार्टम भेजकर घटना की छानबीन की जा रही है। घटना में मृतका के परिवार वालों ने उसे प्रताड़ित करने का आरोप ससुराल वालों पर लगाते हुए हत्या किए जाने की बात कही है। फिलहाल घटना की वजह अभी तक पता नहीं चल पाई हैं इस बीच बताया यह भी गया कि दंपती के बीच दो दिन पूर्व समारोह में महिला डांसर के साथ नाचने को लेकर विवाद हुआ था। माना जा रहा है कि हो सकता है कि घटना की वजह इसी विवाद से जुड़ी हो। फिलहाल पुलिस घटना की छानबीन कर रही है। प्राप्त जानकारी के मुताबिक कानपुर देहात के रनियां निवासी विजय ने अपनी 22 वर्षीय बेटी

सीमा की शादी तीन साल पहले मसवानपुर पुराना गत्ते वाली गली निवासी और एक खाद्य निर्माता कंपनी में सेल्समैन विशाल से की थी। इनके एक दो साल का बेटा मनन था। सूचना के बाद मौके पर पहुंचे मृतका सीमा के पिता विजय ने आरोप लगाया कि शादी के बाद से ही पति व ससुरालीजनों ने बेटी को प्रताड़ित करना शुरू कर दिया था। आरोप है कि वह उसे बंधक बनाकर मारते पीटते थे और उनके पास भेजना तो दूर बात भी नहीं करने देते थे। मौके पर पहुंची पुलिस को विचार द्वारा दी गई जानकारी के मुताबिक मंगलवार देर शाम विशाल का छोटा भाई विवेक घर पहुंचा तो कई बार दरवाजा खटखटाने के बाद भी कोई जवाब न मिलने पर अनहोनी की आशंका पर पुलिस कंट्रोल रूम में सूचना दी। इसी के बाद तत्काल मौके पर पहुंचे रावतपुर थाना प्रभारी संजय शुक्ला व पुलिसकर्मी सीढ़ी के जरिये मकान के अंदर गए, जहां सीमा का शव मकान की पहली मंजिल पर फंदे से लटकता मिला। जबकि दो साल के बेटे मनन का शव बगल के कमरे में सोफे पर पड़ा था। पुलिस ने बताया कि तहरीर मिलने के बाद मुकदमा दर्ज कर अगली कार्रवाई शुरू की जाएगी फिलहाल घटना को लेकर रावतपुर क्षेत्र में सनसनी का भी माहौल है।

मोनिक धवन मुख्य संगठक के नेतृत्व में कांग्रेस सेवा दल के कार्यकर्ताओं ने डीएम के माध्यम से मुख्यमंत्री को दिया ज्ञापन

मुंबई हलचल/फहीम अहमद राज

हरिद्वार। महानगर कांग्रेस सेवा दल के पदाधिकारियों ने डीएम कार्यालय जाकर डीएम के माध्यम से मुख्यमंत्री को ज्ञापन दिया हरिद्वार जनपद में मेडिकल स्टोर पर नकली एवं घटिया दवाइयां धड़ल्ले से बिक रही हैं मध्य प्रदेश सरकार ने नकली दवाइयों के खेल पर रोक लगाने के लिए एक नया नियम लाने का फैसला किया है जिसमें सभी मेडिकल स्टोर पर बिकने वाली दवाइयों पर क्यू आर कोड स्कैनर लगाया जाएगा जिससे दवा बनाने वाली निर्माण कंपनियां सहित पूरा विवरण रहेगा उपरोक्त निर्णय से निकली एवं घटिया दवाइयों के निर्माण पर अंकुश लगेगा हरिद्वार में मेडिकल दवाइयों पर क्यू आर कोड स्कैनर लगाया जाए जिससे पारदर्शिता आ सके क्यू आर कोड स्कैनर लगाने से ड्रग माफिया पर अंकुश लगेगा तथा घटिया दवाइयों के निर्माण पर भी अंकुश लगेगा क्यूआर कोड लगाने से दवा आसानी से पहचान की जा सकेगी और इसके रेट कितने हैं वह भी पहचान में आ सकेंगे मध्य प्रदेश की तर्ज पर हरिद्वार में भी मेडिकल स्टोर पर बिकने वाली वह दवाइयों पर क्यू आर कोड स्कैनर लगवाएं तथा ऑनलाइन बिक्री भी की दवाइयां को भी बार कोडिंग में लाया जा रहा है जिससे ऑनलाइन बिक्री पर भी अंकुश लग सके और सही दवा का पेशेंट पर पहुंच सके यह नया नियम लाने के लिए सरकार ने 1940 के कॉस्मेटिक नियम में संशोधन किया है मेडिसन रियल है या फेक है इस बार की जानकारी क्यूरो कोड से मिल जाएगी इसका रॉ मैटेरियल कहां से आया है कालाबाजारी और दवाइयों के प्राइस में पारदर्शिता आएगी ट्रेस और ट्रैक प्रणाली को अब भारत देश में भी लागू करना चाहिए बाहर के बड़े-बड़े देश भी इस नियम को पालन कर रहे हैं जिसे नकली और घटिया दवाई लोगों पर ना पहुंच सके अगर भाजपा सरकार ऐसा करती है तो यह काबिले तारीफ होगा आजकल के नौजवान मेडिकल स्टोर के माध्यम से दवा का गलत इस्तेमाल करके नशा कर रहा है यह नशा रोकने में भी बहुत कामयाब रहेगी अब यह समय आ चुका है कि भाजपा सरकार को जल्दी स्पेशल कदम उठाते हुए पूरे उत्तराखंड हरिद्वार के मेडिकल स्टोरों पर क्यूआर कोड लगा देनी चाहिए जिसे आगे आने वाली पीढ़ी को गलत दवा ना मिल सके मौके पर वीना कपूर मंजू रानी पूजा विनोद मधुकांत गिरी बलराम गिरी पवन शर्मा विकास रस्तोगी आदि मौजूद थे।

आर्य केन्द्रीय सभा द्वारा 25 दिसंबर को स्वामी श्रद्धानंद बलिदान दिवस मनाया जाएगा

मुंबई हलचल / भैरु सिंह राठौड़

राजस्थान। आर्य केंद्रीय सभा महानगर गाजियाबाद की अंतरंग सभा की बैठक आर्य समाज गोविंदपुरम में प्रधान श्री सत्यवीर चौधरी की अध्यक्षता में संपन्न हुई, जिसमें सर्वसम्मति से निर्णय हुआ कि स्वामी श्रद्धानंद बलिदान दिवस के अवसर पर शहर के मुख्य मार्गों पर 25 दिसंबर 2022 को एक भव्य शोभायात्रा निकाली जाऐ एवं शोभा यात्रा समाप्ति स्थल पर सार्वजनिक जनसभा की जाए। अंतरंग सभा में महानगर की 22 क्रियाशील आर्य समाज के प्रतिनिधियों ने भाग लिया जिसमें मुख्य रूप से सर्वश्री श्रद्धानंद शर्मा संरक्षक,मंत्री नरेंद्र कुमार पांचाल,कोषाध्यक्ष गौरव सिंह आर्य, संत लाल मिश्रा,प्रवीण आर्य,चौधरी विजेंद्र सिंह,प्रमोद धनकड,वीरेंद्र धामा,चौधरी जगबीर सिंह, प्रवीण गुप्ता, आनंद प्रकाश गुप्ता,त्रिलोक शास्त्री,नरेश चन्द्र आर्य इत्यादि सहित सैकड़ों की संख्या में प्रतिनिधियो में भाग लिया। मीडिया प्रभारी प्रवीण आर्य ने प्रेस को जानकारी देते हुए बताया कि विशाल शोभा यात्रा शम्भु दयाल वैदिक सन्यास आश्रम से यज्ञोप्रांत प्रातः 10 बजे प्रारम्भ होकर शहर के मुख्य मार्गों गांधी नगर, चौधरी मोड़, रेलवे रोड, बजरिया, घंटाघर,चौपला, डासना गेट, मालीवाड़ा चौक, अम्बेडकर रोड,कालकागढ़ी होते हुए दोपहर 1 बजे सरस्वती शिशु मन्दिर, नेहरू नगर (निकट गणेश हॉस्पिटल) के प्रांगण में जनसभा में परिवर्तित होगी। अंत में प्रधान श्री सत्यवीर चौधरी ने उपस्थित सभी प्रतिनिधियों का आभार व्यक्त किया और शांति पाठ के साथ सभा की कार्यवाही संपन्न हुई। उक्त जानकारी मीडिया प्रभारी प्रवीण आर्य ने राजस्थान संपादक भैरु सिंह राठौड़ को दी है।

भगवती पुरम में विकास समिति कार्यालय का उद्घाटन

मुंबई हलचल/फहीम अहमद राज

हरिद्वार। जियपोता गांव की भगवती पुरम कॉलोनी में भगवती पुरम विकास समिति के कार्यालय का उद्घाटन जिला महामंत्री किसान मोर्चा धर्मेंद्र सिंह चौहान और जिला पंचायत सदस्य सोहनवीर पाल फीता काटकर किया इस अवसर पर समिति की ओर से हवन पूजन किया गया भगवती पुरम कॉलोनी में विकास आदि की समस्याओं को देखते हुए कॉलोनी वासियों ने भगवती पुरम कॉलोनी विकास समिति का गठन किया जिसमें संरक्षक सुधीर चंद्र कोठियाल जी एवं हीरालाल जी को बनाया गया कमेटी के अध्यक्ष धनंजय सिंह, सचिव दिलीप कुमार, कोषाध्यक्ष रविशंकर सिंह, उपाध्यक्ष अजय वर्मा एवं वरिष्ठ सलाहकार पंकज त्यागी प्रदीप महाराज, बृजमोहन सिंह जी एवं कॉलोनी के अनिल मौर्य मांगीलाल, नीरज कुमार, कपिल, नंदकिशोर, अशोक उपाध्याय, संतोष सिंह, विनोद सिंह को बनाया गया समिति के अध्यक्ष धनंजय सिंह ने कहा कि वे विकास के हित में सभी लोगों एक साथ मिलजुल कर काम करेंगे इस अवसर पर जिला महामंत्री भाजपा किसान मोर्चा धर्मेंद्र सिंह चौहान और जिला पंचायत सदस्य सोहन वीर पाल में सभी लोगों को समिति गठन के लिए शुभकामनाएं दी और कहा कि समिति का उद्देश्य विकास कार्य कराना होता है उन्होंने कहा कि भगवती पुरम कॉलोनी की जो भी समस्याएं होंगी उनको निस्तारित करने के लिए हम सब लोग आपके साथ हैं इस अवसर पर चंद किरण सिंह राहुल कुमार रवि शंकर संतोष सिंह आदि उपस्थित रहे।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

इन संकेतों को ना समझें मामूली, विटामिन्स की कमी का करते हैं इशारा

किसी भी तरह की बीमारी लगने से पहले शरीर में इसके लक्षण दिखाई देने लगते हैं। जिन पर हम कई बार ध्यान नहीं दे पाते और यह आखिर में बड़ी समस्या बन जाती है। उसी तरह शरीर में किसी भी विटामिन की कमी होने पर कोई न कोई संकेत देखने को मिलता है जिसे हम कई बार समझ नहीं पाते और शरीर बिमारियों की चपेट में आ जाता है। आज हम आपको विटामिन्स की कमी पर होने वाले संकेतों और इन विटामिन्स को पूरा करने के तरीके बताएंगे, जिसे इस्तेमाल करके हैल्दी जीवन बिता सकेंगे।

1. ड्राई स्किन होने पर

कई बार कुछ लोग ड्राई स्किन से बहुत परेशान होते हैं। वह इस समस्या से छुटकारा पाने के लिए ब्यूटी क्रीम्स या फिर ऑयल का इस्तेमाल करते हैं। बल्कि ड्राई स्किन विटामिन ई की कमी का संकेत होता है। इसकी पूर्ति के लिए आप पालक और बादाम का सेवन करें। इन दोनों में विटामिन ई काफी मात्रा में पाया जाता है।

2. ज्यादा मीठी चीजें खाने की दिलचस्पी

बार-बार मीठी चीजें खाने का मन करने पर शरीर में ग्लूकोज की कमी का लक्षण होता है। इसकी कमी होने पर ज्यादा मिठाईयां नहीं खानी चाहिए। अगर आपका भी मीठी चीजें खाने का मन करता है तो शहद का सेवन करें

क्योंकि इसमें ग्लूकोज भरपूर मात्रा में पाया जाता है। इसके अलावा इस प्रॉब्लम में फ्रूट्स का भी खा सकते हैं।

3. अनिद्रा की समस्या

अगर आपको लेटने पर जल्दी नींद आती या फिर सोने में 1 घंटे से ज्यादा समय लग जाता है तो आपको पोटाशियम की कमी हो सकती है। इसके अलावा पैर की मांसपेशियों में खिंचाव भी पोटाशियम की कमी के लक्षण है। इसकी कमी को दूर करने के लिए अपनी डाइट में केला, नारियल पानी और चुकंदर को शामिल करें। इसके अलावा तरबूज और खरबूजा भी इसके अच्छे स्त्रोत है।

4. बार-बार ठंडी चीजें या बर्फ खाने का मन होना

अगर आपका मन बार-बार बहुत ज्यादा ठंडी चीजें जैसे आइसक्रीम, कुल्फी खाने या फिर बर्फ को मुंह में रखने का मन करने पर शरीर में आयरन की कमी हो सकती है। अगर यह समस्या 2-3 महीने होने पर इसे आयरन डेफिशिएंसी एनिमिया माना जा सकता है। इस समस्या को दूर करने के लिए किशमिश, चना, मूंग खाएं।

5. मसूड़ों से खून निकलना

वैसे तो मसूड़ों में खून निकलने के बहुत कारण हो सकते हैं लेकिन इसका खास कारण शरीर में विटामिन सी की कमी भी होना है। इसकी पूर्ति के लिए खट्टे फल जैसे नारंगी, मौसंबी और नींबू का सेवन करें। आप इसका जूस बना कर भी पी सकते हैं।

वजन कंट्रोल करने के लिए पीते हैं गर्म पानी तो पहले जान लें ये 5 नुकसान

वजन को कंट्रोल में करने के लिए ज्यादातर लोग रोजाना गर्म पानी पीते हैं। इससे वजन कम होने के साथ-साथ पेट भी साफ होता है लेकिन ज्यादा गर्म पानी पीने से शरीर के अंदरूनी पार्ट्स डैमेज हो सकते है। दरअसल, पानी को गर्म करने से इसमें मौजूद मिनरल्स और पोटेशियम खत्म हो जाता है, जिससे शरीर को नुकसान पहुंचता है। इसकी जगह आप गुनगुना पानी पी सकते है। वहीं, अगर आप इसे मटके में डालकर पीते हैं तो इसको न्यूट्रिशन वापस मिल जाएंगे।

ज्यादा गर्म पानी पीने के नुकसान

ब्लड प्रेशर

अगर आपको ब्लड प्रेशर की प्रॉब्लम है तो भूलकर भी गर्म पानी न पीएं। रोजाना गर्म पानी पीने से ब्लड प्रेशर बढ़ सकता है।

अनिद्रा

रात को गर्म पानी पीकर सोने से नींद न आने की समस्या हो सकती है। अगर आप अनिद्रा से परेशान है तो इसका सेवन न करें। इससे स्लीप साइकल डिस्टर्ब हो जाता है।

किडनी के लिए हानिकारक

ज्यादा गर्म पानी पीने से किडनी सही तरह से काम नहीं कर पाती। इससे किडनी डैमेज भी हो सकती है।

सांस लेने में प्रॉब्लम

अगर आप अस्थमा के मरीज है तो गर्म पानी का सेवन न करें। इससे प्रॉब्लम बढ़ सकती है।

मुंह में छाले

हम अक्सर सोचते हैं कि मसालेदार खाना खाने से मुंह में छाले होते है लेकिन इसका एक कारण अधिक गर्म पानी का सेवन करना भी है। ज्यादा गर्म पानी पीने से शरीर के इंटरनल पार्ट डिहाइड्रेट हो जाते है जिससे यह प्रॉब्लम होती है।

फटी एड़ियों को मुलायम बनाने के लिए अपनाएं ये घरेलू टिप्स

गर्मियों में अक्सर ज्यादातर लोगों के पैरी की एड़ियां फटने लगती हैं। फटी एड़ियों के कारण कई बार दूसरे लोगों के सामने शर्मिंदगी भी उठानी पड़ती है। इसके अलावा इस वजह से लड़कियां अपनी मनपसंदीदा सैंडिल भी नहीं पाती। पैरों की खूबसूरती वापिस पाने और एड़ियों को मुलायम बनाने के लिए लड़कियां कई तरह के उपाय करती हैं। मगर इससे कोई फायदा नहीं होता। ऐसे में आप घरेलू नुस्खों को अपनाकर भी फटी एड़ियों से राहत पा सकते हैं।

एड़ियां फटने का कारण

अनियमित खानपान
विटामिन ई की कमी
कैल्शियम
आयरन की कमी
पैरों पर अत्यधिक दबाव
सोरायसिस
एथलीट फुट

एड़ियों को कोमल बनाने के घेरलू उपाय

1. नारियल तेल

रोजाना रात को सोने से पहले नारियल तेल से पैरों की मालिश करें। मालिश करने के लिए 1 बड़ा चम्मच नारियल तेल लें। इसको हल्का सा गर्म करें। अब तकरीबन 5 मिनट के लिए मालिश करें। लगातार 10 दिनों तक इस तेल को लगाने से एड़ियां मुलायम होने शुरू हो जाएंगी।

2. ग्लिसरीन और गुलाब जल

अगर आपकी एड़ियां बहुत ज्यादा फट गई हैं। तो उस पर गुलाब जल और ग्लिसरीन को मिलाकर लगाएं। कुछ समय तक इस पेस्ट को एड़ियों पर लगा रहने दें। उसके बाद इसके गुनगुने पानी से धो लें। कुछ दिन ऐसा करने के बाद आपको फर्क दिखाई देने लगेगा।

3. ओट और जोजोबा ऑयल

ओट और जोजोबा ऑयल को इक्ट्ठा करके लगाने से इसे एड़ियां मुलायम बनने के साथ ही पैर गौरे भी हो जाएंगे।

घुटनों के बल चलना शिशुओं के विकास के लिए है जरूरी, मिलते हैं ये 5 लाभ

शिशु जब घुटनों के बल चलना शुरू करता है, तो मां-बाप को खुशी मिलती है। घर-आंगन में शिशु की किलकारियों और भाग-दौड़ से घर के सभी सदस्यों का मन लगा रहता है। घुटनों के बल चलकर ही बच्चा धीरे-धीरे खड़ा होना और अपने पैरों पर चलना सीखता है। घुटनों के बल चलना शिशु के लिए जरूरी है और प्रकृति ने ये नियम कुछ खास उद्देशयों से बनाया है। चलना सीखने की पहली सीढ़ी होने के साथ-साथ घुटनों के बल चलने से शिशु के शरीर को कई स्वास्थ्य लाभ भी मिलते हैं, जो उसके शारीरिक, मानसिक और संवेगात्मक विकास के लिए जरूरी होते हैं। आइये आपको बताते हैं कि घुटनों के बल चलने से शिशु को क्या लाभ मिलते हैं।

शरीरिक विकास के लिए

घुटनों के बल चलना शिशु के शारीरिक विकास के लिए बहुत जरूरी है। चलने से शिशु की हड्डियों में मजबूती आती है और उनमें लचीलापन आता है जो शिशु को पैरों पर चलने, दौड़ने, शरीर को मोड़ने और घुमाना सीखने के लिए जरूरी है। इसलिए शिशु जब घुटनों के बल चलने लगे तो उसे प्रोटीन और कैल्शियम युक्त आहार देना चाहिए ताकि उसकी हड्डियां मजबूत बनें और शरीर तेजी से विकास कर सके।

प्राकृतिक नियमों की समझदारी

शिशु में प्राकृतिक नियमों की समझ के लिए भी

उसका स्वयं चीजों को करके सीखना जरूरी है। शिशु जब घुटनों के बल चलना शुरू करता है, तो उसे गति और स्थिति के सामान्य नियमों की समझ आती है और वो बैलेन्स बनाना भी सीखता है।

दृष्टि और आंखों के नियमों की समझ

शिशु जब घुटनों के बल चलना शुरू करता है तो उसकी दृष्टि क्षमता भी ज्यादा विकसित होती है। गोद में रहने के दौरान भी शिशु चीजों को देखता है लेकिन जब वो चलना शुरू करता है तो उसकी दूरी संबंधी समझ का विकास होता है।

वास्तव में देखा जाए तो शिशु के दिमाग में दुनियावी चीजों की समझ घुटनों के बल चलने के दौरान ही सबसे ज्यादा विकसित होती है। इसी समय शिशु का दायां और बांया मस्तिष्क आपस में सामंजस्य बनाना सीखता है क्योंकि इस समय शिशु एक साथ कई काम करता है जिसमें दिमाग के अलग-अलग हिस्सों का इस्तेमाल होता है। जैसे जब शिशु चलता है तो वो हाथ-पैर का इस्तेमाल करता है, आंखों का इस्तेमाल करता है, संवेगों का इस्तेमाल करता है और दूरी, तापमान, गहराई जैसी सैकड़ों चीजों की समझ उस समय वो इस्तेमाल करता है इसलिए ये दिमाग के हिस्सों के विकसित करने में मदद करता है।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

जनवरी में शादी नहीं करेंगे सिद्धार्थ-कियारा

बीते दिनों खबरे आ रहीं थी का कियारा और सिद्धार्थ मल्होत्रा जनवरी 2023 में शादी के बंधन में बंध जाएंगे। हालांकि, अभी तक दोनों में से किसी ने भी शादी को लेकर कोई अनाउंसमेंट नहीं की है। इसी बीच हाल ही में कपल के करीबी दोस्त से शादी की खबरों को खारिज कर दिया है। कियारा-सिद्धार्थ के दोस्त से सवाल किया गया कि क्यों वो दोनों जनवरी में शादी करने वाले हैं। तो इस पर दोस्त ने कहा- मुझे नहीं लगता कि दोनों में से किसी ने भी अभी शादी के बारे में सोचा है, ये सब महज उड़ती हुई खबरें हैं। अभी कियारा के करियर का बेस्ट फेज चल रहा है, ऐसे में शादी उनके करियर पर ब्रेक लगा सकती है। कुछ समय पहले शाहिद और कियारा कॉफी विद करण के शो में पहुंचे थे। जहां बातचीत के दौरान शाहिद ने हिंट दिया था कि साल के अंत में कियारा आडवाणी एक बड़ी अनाउंसमेंट कर सकती हैं। जो कि किसी फिल्म की नहीं होगी। शाहिद कपूर के इस बयान के बाद से ही सोशल मीडिया पर हलचल मच गई कि कियारा और सिद्धार्थ जल्द शादी कर सकते हैं। तब से ही फैंस कपल की शादी का इंतजार कर रहे हैं, लेकिन उनके दोस्त की मानें तो ऐसे अभी तक शादी को लेकर कपल का कोई प्लान नहीं है।

प्रेग्नेंट हैं मलाइका अरोड़ा

मलाइका अरोड़ा के प्रेग्नेंट होने की खबरें है। मलाइका अरोड़ा साल 2019 से अर्जुन कपूर को डेट कर रही हैं और जल्द दोनों की शादी करने की भी खबरें हैं। इसी बीच मलाइका के प्रेग्नेंट होने की बात सामने आई है। बताया ये भी जा रहा है कि अक्टूबर में कपल अपने करीबी दोस्तों को गुड न्यूज सुना चुके हैं। एक रिपोर्ट के अनुसार मलाइका और अर्जुन कपूर अक्टूबर में लंदन वेकेशन में गए थे, जहां उन्होंने अपने करीबी दोस्तों के सामने प्रेग्नेंसी की खबर दी थी। रिपोर्ट में एक सूत्र के हवाले से लिखा गया है कि गुड न्यूज मिलने वाली है। हाल ही में मलाइका अरोड़ा ने अपनी डायमेंड रिंग फ्लॉन्ट करते हुए तस्वीर पोस्ट की थी, जिसके कैप्शन में उन्होंने लिखा था कि मैंने हां कर दिया है। सगाई की अफवाहें उड़ने के बाद मलाइका ने दूसरी पोस्ट में बताया कि उन्होंने डिज्नी प्लस हॉटस्टार के एक रियलिटी शो मूविंग विद मलाइका के लिए हां कहा है। अर्जुन-मलाइका पिछले 3 सालों से रिलेशनशिप में हैं। दोनों ने साल 2019 में अर्जुन कपूर के बर्थडे पर एक पोस्ट के जरिए रिश्ते को ऑफिशियल किया था। इसके बाद से ही दोनों रोमांटिक डेट और वेकेशन पर नजर आते रहे हैं। हाल ही में खबरें थीं कि दोनों 2023 में शादी कर सकते हैं, हालांकि इस पर कोई ऑफिशियल अनाउंसमेंट नहीं हुई है।

वरुण ने कृति-प्रभास के लिंक-अप की खबर पर दी सफाई

वरुण धवन ने कृति और प्रभास के रिलेशनशिप वाली बात पर सफाई दी है। वरुण का कहना है कि उन्होंने कृति के बारे में जो भी बात कही वो सब मजाक थी। वरुण ने कृति के सोशल मीडिया पोस्ट को री-शेयर करते हुए कहा है कि चैनल ने उनकी बातों को एडिट कर दिखाया है जिसकी वजह से कुछ अफवाह फैल गई। बता दें कि कृति सेनन और बाहुबली स्टार प्रभास के लिंकअप की खबरें आ रही थी जिसको लेकर वरुण ने भी एक रियालिटी शो के दौरान इनडायरेक्ट तौर पर दोनों के रिलेशन में होने की बात कही थी। हाल ही में कृति सेनन ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर एक पोस्ट शेयर करते हुए लिखा था कि मीडिया में उनके रिलेशनशिप को लेकर जो भी खबरें आ रही हैं वो सभी बेसलेस है। कृति का कहना है कि कुछ मीडिया पोर्टल में उनकी शादी तक की खबर चल रही है जो कि बिल्कुल बेबुनियाद है। कृति सेनन के पोस्ट को री-पोस्ट करते हुए वरुण धवन ने कहा - चैनल ने बस ह्यूमर और मजे के लिए उस पार्ट को टेलीकास्ट किया। हम सभी ने इसे एक मजाक के तौर पर लिया है, उम्मीद है कि आप भी इसे एक मजाक की तरह ही लेंगे।